>

Title: Need to develop Vikramshila University in Bihar.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): महोदय, मेरा सौभाग्य है कि आप सभापति के रूप में चेयर पर विराजमान हैं। मैं आपकी बहुत कद्र करता हूं। आपने मुझे यहां से बोलने की इजाजत दी है तो यह भी इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा। आज के दिन समाजवादी पार्टी के पास क्योंकि अक्लियत का कोई सांसद नहीं है तो आप मुझे अपना मान लीजिए।

श्री शैलेन्द्र कुमार : ठीक है।

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : इससे आप थोड़े से सेक्युलर हो जायेंगे।

श्री शैलेन्द्र कुमार : आपको गोद ले लिया है।

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : महोदय, आज शिक्षक दिवस है और मेरा सौभाग्य है कि मैं एक शिक्षक पुत्र हूं। मैं एक शिक्षिका का पति हूं, मेरी पत्नी यहां दिल्ली में सरकारी स्कूल में पढ़ाती है। आज शिक्षक दिवस के अवसर पर जहां हम राधाकृष्णन जी को याद करते हैं, वहीं मैं विक्रमशिला, भागलपुर का सांसद हूं, जहां पर गुरू आतिश दीपांकर जी ने पढ़ाया है। छठी शताब्दी में विक्रमशिला स्थापित हुई और 9वीं शताब्दी में गुरू आतिश दीपांकर जी उसके वाइस चेयरमैन बने। नालन्दा, तक्षशिला और विक्रमशिला हमारी संस्कृति हैं।

महोदय, तक्षशिला तो बहुत डेवलप है, पाकिस्तान के बारे में हमारी अलग-अलग राय हो सकती है, लेकिन स्पीकर साहिबा के साथ मैं पाकिस्तान गया था तो मैंने देखा कि तक्षशिला का उन्होंने बहुत अच्छे से ध्यान रखा है। पाकिस्तान की अगर कोई एक अच्छी बात हो सकती है, तो वह यही है कि उन्होंने वहां पर तक्षशिला की संस्कृति को ध्यान से रखा है, उसे संजोकर रखा है। नालन्दा में भी वहां के हमारे मुख्यमंत्री हैं, जो बिहार के नालन्दा के हैं तो नालन्दा में उन्होंने बहुत काम किया है और नालन्दा विश्वविद्यालय को बहुत बढ़ाया है, लेकिन विक्रमशिला बहुत उपेक्षित है। वहीं बगल के हमारे मित्र निशिकांत दुबे जी हैं, इनके आंगन से वह विक्रमशिला मिलता है।

सभापति महोदय : ये अपना क्षेत्र काफी डेवलप कर रहे हैं।

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): विक्रमशिला मेरा गांव है।

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : मैं इनका सांसद हूं, ये हमारे मतदाता हैं, ये दाता हैं, ये हमको मत देते हैं।

सभापति महोदय : इसीलिए हम लोग चाहते थे कि आप दोनों मिलकर चलें।

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : जो विक्रमशिला है, उसके बारे में हम राष्ट्रपति जी से मिले, प्रधानमंत्री जी से मिले, प्रधानमंत्री जी ने डीजीआर जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया को वहां भेजा। सब कुछ होने के बाद एक रिपोर्ट आयी और रिपोर्ट आने के बाद 5 हजार करोड़ रूपया भी केन्द्र सरकार से रिलीज हुआ, लेकिन बिहार सरकार ने अभी तक उसमें कुछ भी नहीं किया है। जो उसका डीपीआर आदि बनाना था, लैंड एक्वायर करनी है, उसमें कुछ भी काम आगे नहीं बढ़ा है।

महोदय, हमारा आपके माध्यम से यही अनुरोध है कि नालन्दा जिले से मुख्यमंत्री अभी बने हैं, लेकिन विक्रमशिला के भागवत झा आजाद साहब पहले मुख्यमंत्री बन चुके हैं। जब भागवत झा आजाद साहब मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने नालन्दा की उपेक्षा नहीं की। इसलिए नालन्दा से जो मुख्यमंत्री अभी बने हैं, नीतीश कुमार जी, उनको भी विक्रमशिला की कोई उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। हो सकता है कि वे हमसे नाराज हों, लेकिन मेरे क्षेत्र भागलपुर से और विक्रमशिला से उन्हें नाराज नहीं होना चाहिए।

सभापति महोदय : आपके प्रति भी सदन की शुभकामनायें हैं। कृपया संक्षेप में अपनी बात कहें।

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन: महोदय, यह देश की धरोहर है, अब मैं विषय पर आ रहा हूं क्योंकि जब विक्रमशिला की स्थापना हुई, तब उसको खत्म किया गया तो ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी 1189 में बनीं। ऑक्सफोर्ड बन गया तो ऑक्सफोर्ड में तो लोग पढ़ने जा रहे हैं, ऑक्सफोर्ड के पढ़े हुए कई वकील यहां आते हैं, बड़ा-बड़ा भाषण सुनाते हैं। लेकिन हमारी जो संस्कृति है, उस विक्रमशिला की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए। जहाँ विक्रमशिला में हमारे जैसा सांसद है जो सबके पास जाता है और जाकर बात करता है तो विक्रमशिला की ओर सरकार ध्यान दे। बिहार सरकार और केन्द्र सरकार दोनों की अभी दोस्ती है तो मिलकर कुछ काम कीजिए। सिर्फ दोस्ती मत कीजिए, कुछ काम भी कीजिए और विक्रमशिला का विकास होना चाहिए। मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूँ कि शिक्षक दिवस पर आपने गुरु आतिश दीपांकर की भूमि जहाँ उन्होंने पढ़ाया, दलाई लामा पंथ की स्थापना की, उसका विषय हमें उठाने दिया। सभापति जी, मैं जीवन भर इसको याद रखूँगा कि सभापति के रूप में आपने एक अच्छा विषय शिक्षक दिवस पर हमको उठाने दिया। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय :

श्री पी.एल.पुनिया का नाम श्री शाहनवाज़ हुसैन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध किया जाता है।